माह जनवरी, 2018 happy new year तृतीय वर्ष अंक 8

नव वर्ष 2018 की हार्दिक शुभकामनाऐं.......

चर्चा पत्र

संकुल स्तर पर शिक्षकों के अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

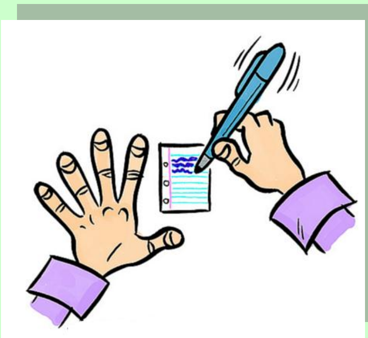

शिक्षकों के लिए नए वर्ष में ले सकने हेतु कुछ संकल्प-

1. इस इस वर्ष अपने शिक्षण को और प्रभावी बनाने नई टेक्नोलोजी का उपयोग करना सीखूंगा/ सीखूंगी।
2. मैं इस वर्ष अपनी कक्षा को गत वर्ष की तुलना में अलग और पहले से बेहतर तरीकों का उपयोग कर पढ़ाऊंगा/पढ़ाऊंगी।
3. परिवर्तन लाने के लिए पढाएंगे, सशक्त बनाने के लिए शिक्षित करेंगे और नेतृत्व के लिए सीखेंगे।
4. मैं इस वर्ष से न केवल अपने संकुल के शिक्षकों बल्कि अन्य जिलों एवं राज्यों के शिक्षकों के इस वर्ष साथ मिलकर एक दूसरे से सीखने का प्रयास करूंगा/करूंगी।
5. मैं न केवल अपनी कक्षा बल्कि अपने स्कूल को भी बेहतर से बेहतर स्तर तक लाने का प्रयास करूंगा/करूंगी।
6. मैं अपने चारों और नकारात्मकता के बावजूद स्वयं एवं अपने आसपास सकारात्मक वातावरण बनाने में आवश्यक सहयोग दूँगा/दूंगी।
7. मैं अपने कक्षा के सभी बच्चों में निर्धारित समय के भीतर सभी लर्निंग आउटकम लाऊँगा/ लाऊंगी।
8. मैं बेहतर समय प्रबन्धन करते हुए कक्षा में निर्धारित समयसीमा के भीतर अपना पाठ्यक्रम पूरा करूंगा/करूंगी।
9. मैं अपने विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने के अधिक से अधिक अवसर दूंगा/दूंगी।
10. मैं अपनी कक्षा में बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए काम करूंगा/करूंगी।

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, छत्तीसगढ़

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

आमुख

आप सभी को नए साल की बहुत–बहुत बधाइयां ! पूरा विश्वास है कि आने वाला वर्ष आपके लिए अनेकों सौगात लेकर आएगा और आपकी सारी मांगे पूरी होंगी और आप अपने वि।ार्थियों को बहुत अच्छे शिक्षा दिलाने के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल होंगे । नया वर्ष आपके माध्यम से बहुत से सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल होगा ।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत आपने शालाओं में गत दो तीन वर्षों में बहुत से परिवर्तन देखें होंगे । हमारे शिक्षक डिजिटल होने लगे हैं, माताएं स्कूलों से जुड़ने लगी हैं और घर पर भी बच्चों की पढाई पर ध्यान देने लगी हैं । शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में वृद्धि के साथ वे अपनी बैठकों में बच्चों की गुणवत्ता पर ध्यान देने लगे हैं । संकुल स्तर पर मासिक बैठकों में केवल जानकारियों के आदान–प्रदान करने के बदले अकादमिक चर्चाएँ होती हैं । शिक्षकों में स्व–अध्ययन में रूचि बढी है और उनके द्वारा विभिन्न आनलाइन कोर्स किया जा रहा है । सुधार के लिए सकारात्मक परिवर्तन के साथ–साथ उन परिवर्तनों का उद्देश्य भी जानना आवश्यक है ।

अब हम धीरे–धीरे हमारे प्रधानाध्यापकों को मजबूत बनाते हुए उनमे नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में कार्य करने जा रहे हैं । इस माह से प्रधानाध्यापक अपने स्टाफ के साथ चर्चा पत्र पर चर्चा करेंगे और अपनी अपनी शालाओं में बताए गए बातों को पूरा करने का प्रयास करेंगे । संकुल समन्वयक इन बातों को शाला में पूरा हुआ अथवा नहीं और उनकी क्वालिटी देखने का कार्य करेंगे । सारे कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से लागू करवाने की पूरी जिम्मेदारी प्रधानाध्यापकों की होगी ।

हमने संकुलों की बैठकों का फीडबैक लेने हेतु **‘‘द टीचर एप्प’’** के समीक्षा के माध्यम से जानकारी लेने का प्रयास किया । गत दो माह में केवल डेढ़ सौ संकुलों ने इसमें बैठक की जानकारी दी । यह बहुत निराशाजनक है और संकुलों में नियमित बैठकों का आयोजन हो रहा है अथवा नहीं, इस पर एक प्रश्नचिन्ह भी लग रहा है । समीक्षा में आपकी इन बैठकों के आयोजन की स्थिति का विवरण भेजने की स्थिति यह सोचने पर भी मजबूर कर रहा है कि चर्चा पत्र को जारी रखना है अथवा नहीं । आप देख लीजिए, आप लोगों के ऊपर है कि अकादमिक चर्चाएँ होनी चाहिए अथवा नहीं । ऐसे में क्या संकुल व्यवस्था की आवश्यकता है?

पुनः एक बार सभी शिक्षक समुदाय को नव-वर्ष के लिए हार्दिक बधाई !

एजेंडा एक - डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान की तैयारी

माह जनवरी में इस अभियान के अंतर्गत द्वितीय निरीक्षण का कार्य दिनांक 10 जनवरी से 25 जनवरी 2018 के बीच संपन्न किया जाएगा । इस दौरान आप माह अगस्त में आए निरीक्षणकर्ताओं से एक बार संपर्क कर उन्हें पुनः अपनी शाला में आमंत्रित करें । इस निरीक्षण की तैयारी के पहले आप अपने स्टाफ के साथ इस बार की सोशियल ओडिट की रिपोर्ट एवं प्रथम निरीक्षण में प्राप्त अंक एवं कमजोर क्षेत्रों को देखकर सुधार हेतु मिलकर प्रयास करें । इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा –

1. शाला में बच्चों की उपस्थिति में सुधार करना ताकि सौ प्रतिशत बच्चे निरीक्षण के दौरान उपस्थित हो सकें।
2. विभिन्न दक्षताओं में प्रत्येक बच्चे की स्थिति की सही–सही जानकारी विद्यार्थी विकास सूचकांक में भरा जाना –प्रत्येक कक्षा में दीवार पर प्रदर्शित करना ।
3. सभी छः दक्षताओं में बच्चों को पर्याप्त अभ्यास करवाते हुए सुधार करवाना ।
4. विद्यार्थी विकास सूचकांक का प्रधानाध्यापक एवं संकुल समन्वयकों से पुष्टि करना । (ध्यान रखें कि गलत जानकारी देने पर उस दक्षता में शून्य अंक मिलेंगे)
5. शाला विकास योजना के अनुरूप शाला में विभिन्न कार्यों को होते हुए देखना।
6. शिक्षकों व्दारा बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बिठाकर अध्यापन कार्य।
7. शाला में अधिक से अधिक प्रिंट–रिच वातावरण एवं स्व–रचित सामग्री का उपयोग।
8. शून्य–निवेश नवाचार से संबंधित फाइल तैयार कर दिखाना एवं शाला में बाल–संसद का सक्रिय होने संबंधित दस्तावेज दिखाना।
9. शिक्षकों का प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से एक दूसरे से सीखना।
10. बच्चों को एक दूसरे से सीखने के लिए विभिन्न नवाचारी तरीके।
11. शालेय स्वच्छ्ता/स्वास्थ्य से संबंधित कार्यों को दिखा पाना –स्वच्छता पुरस्कार।
12. शाला प्रबन्धन समिति की बैठकों में गुणवत्ता संबंधी मुद्दों पर चर्चा होती है।
13. शिक्षकों को अपने प्रत्येक वि।ार्थी के कमजोर एवं बेहतर पक्षों की जानकारी है और उनमें सतत सुधार की दिशा में दोनों मिलकर मेहनत करते हैं ।
14. मुस्कान पुस्तकालय तैयार कर सभी बच्चों द्वारा पुस्तकों का उपयोग ।
15. सभी बच्चों की कापियों को जांच कर सुधार हेतु प्रयास । इस बार संपर्क अभ्यास पुस्तिका में किए जा रहे कार्यों को भी दिखाएं ।
16. शिक्षकों व्दारा शिक्षण योजना तैयार कर प्रधानाध्यापक से अनुमोदन लेकर उसके अनुरूप अध्यापन कार्य करवाया जाना ।
17. विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों को शामिल करवाना – इस बार **"इग्नाईट अवार्ड"** में बच्चों के आवेदन भेजकर उसकी स्वीकृति संबंधी दस्तावेज रखें ।

18. निरीक्षण के दौरान कुछ माताओं को मिलवाते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा करवाएं ।
19. सामाजिक अंकेक्षण के नकारात्मक क्षेत्रों को ध्यान में रखकर सुधार कार्य करें ।

कबाड से नवाचार के कम से कम दस प्रयोग शाला में बच्चों से करवाते हुए दिखाने की व्यवस्था रखें । इस हेतु आप विभागीय वेबसाईट http://www.ssachhattisgarh.gov.in/VUpload/Science%20Activities_List_9.11.2017.pdf से सौ प्रयोग देखकर उनमे से कम से कम दस प्रयोगों को बच्चों से अवश्य करवाएं ।

20. शाला में चर्चा पत्रों की प्रतियाँ रखें एवं चर्चा पत्र के माध्यम से किए जा रहे विभिन्न बदलावों को अवश्य दिखाएं ।
21. शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के बीच के पाँच मिनट के अकादमिक चर्चाओं के आयोजन के सबूत दिखाएं ।
22. बच्चों से हायर आर्डर थिंकिंग संबंधी प्रश्न एवं राष्टीय उपलब्धि परीक्षण में पूछे जाने वाले प्रश्नों को हल करने का अभ्यास करवाएं ।
23. उपरोक्त सभी कार्यों को संपन्न करते हुए अपने संकुल समन्वयक एवं अन्य शाला के शिक्षकों से एक बार पूरे सुधार कार्यों की निरीक्षण टूल के आधार पर जांच करवा लेवें।
24. संकुल समन्वयकों को चाहिए कि वे अपनी नोन–फोकस शालाओं में भी इन सभी बिन्दुओं पर अच्छे से कार्य करवाते हुए तैयारी करवाएं ।

आपकी शाला को पूर्व के निरीक्षण से कहीं अधिक अच्छे अंक मिलें, इसी कामना के साथ !

एजेंडा दो - दो कहानियां

चलिए नव वर्ष के अवसर पर आपको दो कहानियां सुनाएं जिस पर आप स्वयं आत्म–मंथन कर सकें । इस पर चर्चा की आवश्यकता नहीं है ।

कहानी एकः परिवर्तन की दरकार – बात एक बहुत बड़े और बहुत पुराने कंपनी की है । इस कंपनी में बगीचे में एक बेंच रखा हुआ है । इस बेंच की खासियत है कि इसमें किसी को बैठने की अनुमति नहीं है । कोई न बैठ पाए इस हेतु एक गार्ड भी नियुक्त किया गया है । एक बार उस कंपनी में एक नए मैनेजर की नियुक्ति होती है । उस मैनेजर द्वारा अपनी कंपनी का भ्रमण करते करते थक जाने पर बगीचे में रखे उस बेंच में बैठने आगे बढ़ते हैं । तभी ड्यूटी पर तैनात गार्ड द्वारा उसे रोक दिया जाता है क्योंकि उस बैंच पर किसी को बैठने की अनुमति नहीं है ।

इस अजीब फरमान पर नए मैनेजर क्रोधित होते हैं और उन्हें बड़ा अजीब लगता है कि उनकी कंपनी में उनके बेंच में उन्हें बैठने की अनुमति नहीं है । कारण पता करने की कोशिश की

जाती है कि क्यों इस बेंच पर किसी को बैठने की अनुमति नहीं है । एक बहुत पुरानी लगभग तीस वर्ष पुरानी फाइल में कारण का पता चलता है । फाइल में तत्कालीन मैनेजर द्वारा टीप लिखी होती है कि चूंकि बगीचे के बेंच को पेंट किया जा रहा है इसलिए कोई उस बेंच में न बैठें और किसी को न बैठने के लिए एक गार्ड को भी ड्यूटी दिए जाने का उल्लेख किया गया है ।

तत्कालीन मैनेजर द्वारा दिए गए उस आदेश को आज तीस साल बाद भी हर कोई बिना सोचे–समझे अभी तक पालन किए जा रहे हैं । किसी ने अभी तक यह सोचने की कोशिश भी नहीं की कि ऐसी मनाही क्यों की गयी है । तीस साल में क्या कुछ नहीं बदला होगा पर उस आदेश का पालन अभी तक बिना सोचे–समझे जारी रहा । क्या हमारे आसपास, हमारी शाला में, जिले में, विभाग में, घर में भी हमने कुछ ऐसे नियम कानून बना रखें हैं जिसका आज के बदलते परिवेश में कोई आवश्यकता नहीं है ?

कहानी दो: सापेक्षता का सिद्धांत – शिक्षा विभाग में एक ड्रायवर है । किराए की गाडी चलाता है । रोज हम सब उसकी गाडी में मंत्रालय आना जाना करते हैं । वह सुबह से देर शाम तक ड्यूटी बजाता है । अकसर अनुरोध करता है कि साहब आप लोग बाहर क्यों नहीं जाते । रोज–रोज मंत्रालय आते–जाते बोर हो जाता हूँ । लगता है कोई काम नहीं किया । पूरे दिन आराम । एक दिन उसकी इच्छा को देखते हुए बाहर गए । एक दिन में छह सौ किलोमीटर की यात्रा के बाद भी वह देर रात को और कहीं जाने के लिए तत्पर था । उसकी उम्र पचास पार हो चुकी है और उसके ऊपर बड़े सदस्यों वाले परिवार का जिम्मा है । उसने बताया कि उसे मात्र दस हजार रूपए प्रतिमाह मिलता है और वह उन्नीस वर्ष की आयु से यह कार्य कर रहा है और ड्रायवरी करते हुए उसे तीस वर्ष से ऊपर हो गए हैं । उसकी ड्रायविंग बहुत अच्छी है और उसे विदेश में भी गाडी चलाने का मौका मिला पर वह अपने वतन को छोड़कर नहीं जाना चाहता ।

उसके वेतन बढाने के लिए मांग करने की बात करने पर उसका उत्तर बड़ा अजीब था दृ साहब ड्राइवर को अपने मालिक और मालिक को अपने ड्राइवर को समझना चाहिए । दोनों को एक दूसरे की तकलीफ को देखकर, समझकर अपनी मांग रखनी चाहिए । हाँ वह हड़ताल करना चाहता है, हडताल शासन के उस प्रस्ताव पर जिसमें ड्राइवर को किसी एक्सीडेंट के लिए जिम्मेदार मानकर उससे बड़ा भारी जुर्माने लगाने की बात आ रही है । उसका कहना है कि वह इतनी कम तन्खवाह में अपना और परिवार का पेट पाले या हर्जाने की राशि तैयार रखे । हालांकि इन तीस वर्षों में उसने कभी कोई एक्सीडेंट नहीं किया ।

मेरा मन सोचने पर मजबूर हो गया । उसके व्यवसाय को इतनी इज्जत नहीं है जितनी कि मेरे क्योंकि मैं शिक्षा में कार्य कर रहा हूँ । मुझे समाज में बहुत सम्मान है, बच्चे मेरी बड़ी

इज्जत करते हैं । आज भी बीस वर्ष पुराने विद्यार्थी मेरे संपर्क में हैं । मैं अन्य कई मामले में उस ड्राइवर से कहीं अधिक बेहतर स्थिति में हूँ । पर मुझमे काम करने का वो जज्बा, वो जूनून, वो लगन, वो बिना किसी अपेक्षा के और अधिक काम एवं परिणाम देने की ललक क्यों नहीं आ पा रही है ? मैं अपने भीतर ये गुण कैसे विकसित करूं? आज मुझे आइन्स्टीन का सापेक्षता का सिद्धांत याद आ रहा है । मैं उसके पेशे और अपने पेशे, उसके जूनून और अपने जूनून में तुलना कर रहा हूँ । काश ! मुझमे भी ऐसे गुण आ जाएं ! मैं भी अपने यात्रियों को उनके गंतव्यों तक सुरक्षित पहुंचा पाऊँ । सोचते सोचते अपने गन्तव्य तक पहुंच गया । मन में घूम–घूम कर सवाल घूम रहे हैं ।

एर्जेंडा तीन - शगुन पोर्टल में अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज करवाएं

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शालाओं में गुणवत्ता के लिए किए जा रहे कार्यों के दस्तावेजीकरण कर एक जगह एकत्रित कर राज्यों को एक दूसरे से सीखने एवं एक दूसरे के यहाँ किए जा रहे अच्छे कार्यों को साझा करने हेतु शगुन पोर्टल तैयार किया गया है । इस पोर्टल में आपके यहाँ की जा रही गतिविधियों को शामिल करने हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में आप अपनी सामग्री भेज सकते हैं –

टेस्टीमोनियल- इसमें आप अपने आसपास के बच्चों के बारे में एक छोटा पैराग्राफ लिख सकते हैं । हिन्दी अथवा अंग्रेजी में इसे अच्छे से लिखते हुए उस बच्चे का फोटोग्राफ आपको भेजना होगा ताकि इसे हमारे राज्य के टेस्टीमोनियल सेक्शन में शामिल किया जा सके । उस सेक्शन में आप बच्चों व्दारा किए गए उल्लेखनीय कार्य, किसी शाला त्यागी बच्चे का शाला में प्रवेश, बहुमुखी प्रतिभा के धनी बच्चे, किसी योजना से लाभान्वित बच्चे के बारे में लिख सकते हैं ।

वीडियोज- इस सेक्शन में आप अपने किसी घटक के बारे में या किसी विशिष्ट योजना या किसी सफलता की कहानी का अच्छी क्वालिटी का वीडियो बनाकर इस सेक्शन के लिए भेज सकते हैं ।

इमेज - इस सेक्शन में आप किसी विशिष्ट गतिविधि को फोकस कर अच्छे क्वालिटी के फोटोग्राफ भेज सकते हैं । फोटो के साथ उस गतिविधि के बारे में भी लिख भेजें एवं अलग से टायटल रखें ।

केस स्टडीज - इस सेक्शन में आपको किसी घटक, योजना, गतिविधि को फोकस करते हुए उस पर छोटी सी केस स्टडी लिखते हुए उससे संबंधित फोटोग्राफ भेजने होंगे ।

सामग्री भेजने से पहले एक बार स्वयं शगुन पोर्टल को ध्यान से देख लेवें और उसके आधार पर अपने आसपास के बेहतर मुद्दों पर अपनी सामग्री तैयार करें । अंग्रेजी में सामग्री तैयार करने आसपास के विशेषज्ञों से सहयोग लेवें। तैयार सामग्री को हमारे ईमेल spo.planning@gmail.com में भेजें । माह जनवरी में अधिक से अधिक सामग्री भेजें ताकि उनका अवलोकन इस वर्ष की कार्ययोजना की स्वीकृति के दौरान की जा सके । आगे भी निरंतर इस पोर्टल में शामिल करवाने हेतु अपने आसपास से सामग्री नियमित रूप से भेजना जारी रखें ।

सर्व शिक्षा अभियान से संबंधित कुछ क्षेत्र जिसमें आप सामग्री तैयार कर भेज सकते हैं वे हैं -

पढ़े भारत बढे भारत	मुस्कान लाइब्रेरी, रीडिंग कार्नर, प्रिंट रिच वातावरण, सहायक पठन सामग्री, स्थानीय रूप से तैयार सामग्री
राष्ट्रीय आविष्कार अभियान	गणित एवं विज्ञान कार्नर्स, विज्ञान को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियाँ, विज्ञान गणित मेला, सरल प्रयोग, कबाड़ से नवाचार, डिजिटल लर्निंग, आनलाइन कोर्स करने वालों का अनुभव, आनलाइन प्रतियोगिताओं में सहभागिता
शिक्षक क्षमता विकास	प्रशिक्षण में नवाचार, कक्षा में उपयोग, पीएलसी, संकुल की मासिक बैठकों का प्रभाव, चर्चा पत्र का उपयोग,
अकादमिक सपोर्ट	संकुल विकासखंड स्रोत केंद्र से अकादमिक सहयोग
शालाओं का आकलन	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान
सामुदायिक सहभागिता	समुदाय द्वारा बच्चों की उपलब्धि शाला विकास के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयास
को–करिकुलर गतिविधियाँ	खेल–कूद, योग, स्वास्थ्य परीक्षण, स्व–सुरक्षा हेतु पहल
बच्चों की सहभागिता	बाल दृ संसद के माध्यम से विभिन्न नवाचारी कार्य
ट्विनिंग आफ स्कूल	एक दूसरी शालाओं के साथ सीखन अनुभव लेने हेतु साझेदारी
बच्चों की काउंसिलिंग	काउंसिलिंग एवं मार्गदर्शन, टीवी, रेडियो–आडियो कार्यक्रम का प्रभाव जैसे फुल आन निक्की, विद्यार्थी हेल्प लाइन
शाला बाह्य बच्चों के साथ कार्य	शाला से बाहर के बच्चों को मुख्यधारा में शामिल करने हेतु नवाचारी उपाय, स्पेशल प्रशिक्षण, आवासीय सुविधा
विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के साथ कार्य	बच्चों को स्कूल में पढाई के लिए किए जा रहे नवाचारी उपाय, टेक्नोलोजी का उपयोग कर बच्चों को समर्थन दिया जाना
स्वच्छ विद्यालय	स्वच्छता हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयास, नवाचारी उपाय
गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे विभिन्न पहल	लर्निंग आउटकम के आधार पर शिक्षा, टेक्नोलोजी के उपयोग से शिक्षा गुणवत्ता, स्थानीय भाषा, बस्ता मुक्त शिक्षा
सतत समग्र मूल्यांकन	प्रश्न बैंक, हायर आर्डर थिंकिंग, उपलब्धि परीक्षण, तनाव–मुक्त आकलन, समूह में आकलन के सरल तरीके
विद्यान्जली कार्यक्रम	शालाओं में अध्यापन सहयोग, अतिथि शिक्षक, युवा–बड़े–बुजुर्गों का शाला संचालन में सहयोग
माताओं को जोड़ना	शाला की विभिन्न गतिविधियों में माताओं को शामिल करना
गैर–शासकीय संस्था	बाह्य संस्थाओं द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्य
बच्चों को समर्थन	पाठ्य–पुस्तकें, यूनीफोर्म, मध्याह्न दृभोजन, स्कोलरशिप. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि से लाभ

एजेंडा चार -   इग्नाईट अवार्ड हेतु प्रत्येक शाला अपना आवेदन भेजें

वर्ष 2017 में इग्नाईट अवार्ड 29 आइडियाज पर दिया गया । इस बार इग्नाईट अवार्ड में पुरस्कार पाने वाले कुछ आइडियाज इस प्रकार हैं –

1. **गाड़ियों के पीछे स्पीड इंडिकेट्रः–** गाड़ियों के पिछले हिस्से में उसकी गति दर्शांने वाली मीटर से गाड़ी के पीछे चलने वाले ड्रायवर को अपने सामने की गाड़ी के अचानक कम या ज्यादा होने पर उसका पता चल सकता है और आपस में टकराने की गुजांइश कम हो जाती है।

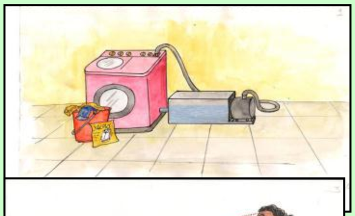

2. **साबुन पानी पुनः उपयोग में लाने वाला वाशिंग मशीन :–** वाशिंग मशीन में उपयोग में आने वाला पानी एक बार उपयोग के बाद बाहर फेंक दिया जाता है। इस मशीन में यह साबुन दुबारा कपड़े धोने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है जिससे साबुन की बचत की जा सकती है।

3. **छेड़–छाड़ करने वालों को मिर्ची स्प्रे छिड़कने वाली घड़ी :–** एक ऐसी घड़ी का सुझाव दिया गया जिसे महिलाऐं अपने कलाई में पहने और अचानक किसी के द्वारा छेड़छाड़ किए जाने पर उस घड़ी के बटन को दबाने पर छेड़छाड़ करने वाले के ऊपर मिर्ची का स्प्रे छिड़का जा सके।

4. **अंधों के लिए बस आने की सूचना :–** एक ऐसी घड़ी जिससे बस स्टेण्ड में बस का इन्तजार कर रहे अंधे यात्री को अपने गन्तव्य तक जाने वाले बस के आने की सूचना और बस ड्रायवर को किसी अंधे के उस बस स्टाप पर इन्तजार करने की सूचना मिल सकेगी।

5. **पानी बचाने के लिए मीटर :–** घर में अकसर हम आवश्यकता से अधिक पानी व्यर्थ बहा देते हैं। विभिन्न गतिविधियों में कितना पानी लगेगा और इसके लिए कोटा निर्धारित कर उसके उपयोग को देखने के लिए एक मीटर का सुझाव दिया गया है ताकि पानी व्यर्थ न बहे।

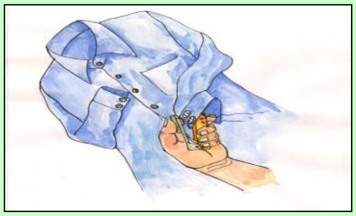

6. **बटन टांकने के लिए स्टेपलर :–** आजकल की तेज जिन्दगी में बाहर जाते समय अचानक बटन टूटी दिखे तो उसे सिलने में बहुत टाइम लगता है। बटन सिलने के लिए एक स्टेपलर का सुझाव दिया गया है।

इस बाबत और अधिक जानकारी एवं उदाहरण वेबसाईट में देखा जा सकता है।

बच्चे इस दिशा में सोच सकते हैं -

- अपने द्वारा, अपने बड़ों के द्वारा और आस पास के लोगों द्वारा उपयोग किये जा रहे किसी मौजूदा सुविधा, वस्तु में सुधार हेतु सुझाव दे सकते हैं जिसकी दुनिया/समाज को बहुत जरूरत है।
- किसी ऐसी वस्तु या सुविधा के बारे में सोचना या कल्पना करना जो की बच्चों की जानकारी के अनुसार अभी तक संसार में उपलब्ध नहीं है।
- समाज की कोई नकारी गयी वर्षों से आ रही समस्या का रचनात्मक तकनीकी समाधान।
- बच्चों व्दारा सोचे गए ओरिजिनल एवं क्रिएटिव आइडियाज।
- घर एवं आसपास के दैनिक जीवन से जुडी समस्याओं के लिए सुझाव।
- बड़े–बुजुर्गों व्दारा बरसों से प्रयोग में लाए जा रहे परंपरागत ज्ञान।
- टेक्नोलोजी का उपयोग कर चीजों को आसान कर पाना।
- हमारे परंपरागत ज्ञान का दस्तावेजीकरण एवं बेहतर उपयोग कर पाना।

आप कैसे बच्चों को इसमें आवेदन के लिए प्रेरित करेंगे -

सबसे पहले आप इग्नाईट के वेबसाईट http://nif-org-in/ignite में जाकर पूरी प्रक्रिया का अध्ययन कर लेवें एवं अब तक मिले विभिन्न पुरस्कारों की जानकारी ले लेवें। इसमें आवेदन पूरे वर्ष भर कर सकते हैं। वर्ष 2018 के लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। उसके बाद प्राप्त आवेदन अगले वर्ष के लिए प्रतियोगिता में शामिल किए जा सकेंगे।

आवेदन भेजने का पता है-

बच्चो के लेख ignite@nifindia-org में मेल करना

प्रस्ताव आनलाइन http://nif-org-in/submitidea-php भेजना

इस पते पर डाक व्दारा सीधे या प्राचार्य के माध्यम से भेजना–

Dr A P J Abdul Kalam IGNITE Awards 2018

National Innovation Foundation – India

Satellite Complex, Premchand Nagar Road,

Jodhpur Tekra, Satellite

Ahmedabad 380 015, Gujarat

माह जनवरी 2018 में आपकी शाला के निरीक्षण के पूर्व शाला से अधिक से अधिक बच्चों के प्रस्ताव ऑनलाइन भिजवाते हुए उसके भेजे जाने की पावती अवश्य रखें ताकि आपको इस मुद्दे पर अंक मिल सके।

बच्चों से आइडियाज निकलवाने हेतु -

- पूर्व में चयनित उदाहरणों को उनके साथ साझा करें
- समूह में आसपास ग्रुप में घूमकर लोगों की समस्याओं को देखने का अवसर दें
- अपने घर एवं आसपास किसी समस्या को देखकर उनके समाधान के लिए कोई नवाचारी उपाय सोचें

इस पुरस्कार की सबसे खास बात यह है कि आपको इसमें आवेदन के लिए केवल एक आइडिया सोचकर लिखकर ईमेल करना है या पत्र से भेजना है। आपके आइडियाज पर काम वैज्ञानिक करेंगे और आपके लिए माडल बनाकर देंगे। आपके सुझाव पर तैयार उपकरण का पेटेंट बच्चे के नाम पर होगा और उसकी मार्केटिंग होने पर उसका फायदा भी उस बच्चे को दिया जाएगा।

एजेंडा पाँच - शून्य निवेश नवाचार हेतु अपना नामांकन अवश्य भेजें-

राज्य में श्री ओरोबिन्दो सोसायटी के साथ इस उद्देश्य को लेकर कार्य किया जा रहा है कि वे अपने अनुभवों के आधार पर ऐसे नवाचार जो किसी अन्य राज्य में शिक्षकों व्दारा स्वयं अपनी शाला में स्वयं करके देखने पर सफल पाया हो उसे हमारे राज्य की शालाओं में भी लागू किया जा सके को अधिक से अधिक शालाओं में लागू कर सकें । इसी प्रकार हमारे राज्य के शिक्षकों के द्वारा सुदूर अंचलों में रहकर किए जा रहे नवाचारों को सामने लाएं और उनके नवाचारों को अन्य शिक्षकों तक भी पहुंचाया जा सके । इन्हीं उद्देश्यों को लेकर श्री ओरोबिन्दो सोसायटी के स्रोत व्यक्ति लगातार जिलों में संपर्क कर कुछ विशिष्ट नवाचार की खोज में लगे हैं जिनका संकलन कर उस शिक्षक के नाम एवं फोटो के साथ पुस्तक प्रकाशित किया जा सके ।

अपने नवाचार भेजते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा देने में उपयोगी हो, उसे शिक्षकों व्दारा आसानी से किया जा सके और उसका विस्तार बिना किसी अतिरिक्त बजट से किया जा सके । उदहारण के लिए आपको परिचित कराए गए कुछ नवाचारों जैसे बाल केबिनेट, कोमिक से पढाई, उपस्थिति में सुधार आदि । इन बातों को ध्यान में रखकर किसी एक व्यापक मुद्दे को फोकस कर क्षेत्र में नवाचार सोचने का प्रयास करें जो शायद आप कर रहे होंगे पर कभी इस तरह से डोक्यूमेंट नहीं किया होगा । कुछ क्षेत्र इस प्रकार हो सकते हैं –

तकनीक का उपयोग कर कक्षा शिक्षण में सुधार/बालिकाओं की शिक्षा एवं माताओं को शाला से जोड़ने हेतु कुछ नवाचारी प्रयास/सामुदायिक सहभागिता के लिए उपाय/बच्चों को शाला में बनाए रखने हेतु नवाचारी उपाय/कैरियर काउंसिलिंग एवं व्यावसायिक शिक्षा/सक्रिय शिक्षा/समूह में बच्चों को एक दूसरे से सीखने हेतु सरल उपाय/बच्चों का सर्वांगीण विकास/शाला त्याग दर को कम करने, पलायन रोकने हेतु ठोस उपाय/बच्चों की दर्ज संख्या में बढ़ोत्तरी/दीवार लेखन/खेल–कूद/पुस्तकालय प्रबन्धन/नियमित कक्षा अध्यापन के अतिरिक्त शिक्षकों व्दारा किए जा रहे प्रभावकारी कार्य/शिक्षण अधिगम सामग्री/प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी जैसे कोई भी आइडिया जो बच्चों के विकास के लिए मददगार हो।

श्री ओरोबिन्दो सोसायटी व्दारा ऐसी शालाओं जिन्होंने कम से कम सात नवाचारों को अपनी शाला में लागू किया है, के लिए उनके अपने स्कूल का वेबसाईट बनाकर देने मे सहायता देने का प्रस्ताव दिया है । राज्य के कुल पंद्रह सौ शालाओं में उनके द्वारा वेबसाईट बनाने में सहयोग दिया जाएगा । ऐसी इच्छुक शालाएं श्री शशांक श्रीवास्तव, मो.नं. 96280-28888, वरूण त्रिपाठी मो.नं. 78956–34086 में मेसेज कर अपनी मांग रख सकते हैं ।

एजेंडा छः - इस माह के लिए आनलाइन कोर्स

बैठक 2 – जनवरी 2018		
समय	**कार्यसूची**	**विवरण**
20 मिनट	“हौसलों की उड़ान”– Chatशाला को सुनना	आप यह chatशाला अपने headphone पर या सब शिक्षक साथ बैठ कर बींजशाला सुनें।
15 मिनट	हौसलों की उड़ान chatशाला पर चर्चा करना	आप इन विषयों पर चर्चा कर सकते हैं ? इस chatशाला में आप किन विषयों से सहमत हैं ? इस chatशाला में आप किन विषयों से असहमत है ? chatशाला में से किन सुझावों और विचारों का इस्तेमाल आप अपनी कक्षा में कर सकतें हैं ?
15 मिनट	Teacher Toolkit देखना	Connect तब में जाकरए Teacher Toolkit के कोई भी 3 विडियो देखें।
15 मिनट	Teacher Toolkit पर चर्चा करना	आप इन विषयों पर चर्चा कर सकते हैं ? आप अपनी कक्षा में इन संसाधनों को किस तरीके इस्तेमाल करेंगे ? आप इन संसाधनों में अपने संदर्भ के हिसाब से क्या बदलाव कर सकतें हैं ?
बैठक के बाद CAC का कार्य Connect में समीक्षा पर जाएँ और बैठक की रिपोर्ट लिखकर अपने विचार हमारे साथ बांटे		
बैठक के बाद शिक्षकों का कार्य हौसलों की उड़ान chat शाला या बैठक में देखे TeacherToolkit पर जाकर अपने विचार लिखें।		

"फुल ओन निक्की" आडियो कार्यक्रम अब सभी जिलों को उपलब्ध करा दिया गया है। इसे जिले में सभी उच्च प्राथमिक एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में बच्चों को सुनाया जाना है। बीबीसी मीडिया एवं यूनिसेफ द्वारा तैयार इस कार्यक्रम के कुल 25 एपीसोड आपको जिलों से या पीएलसी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। इन कार्यक्रम को सुनाने से पूर्व एवं सुनाने के बाद बच्चों से चर्चा करनी है और उनके फीडबैक लेकर हमें **spo.planning@gmail.com** पर भेजना है। कार्यक्रम के बारे में और अधिक जानकारी के लिए अपने व्हात्सेप्प समूह में जानकारी साझा करें ।

एजेंडा सात - अपने प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी को जाने और जुड़ें

राज्य में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत शिक्षकों को प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाकर एक दूसरे से सीखने हेतु टेक्नोलोजी का उपयोग करने हेतु लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा था । जिलों में इसके अंतर्गत छोटे–छोटे पीएलसी का गठन कर कार्य किया जा रहा है । इस कड़ी में शिक्षकों का एक ऐसा समूह जिसने इस कार्य को बड़े सुनियोजित और व्यवस्थित ढंग से तैयार किया है। इस समुह **"स्व–प्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह, छत्तीसगढ़"** के द्वारा **"नवाचारी गतिविधियॉ"** नाम से **38 Whatsapp Group** बनाया गया है जिसका उद्देश्य सुदूर अंचलों में विभिन्न नवाचारी शिक्षकों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को दूसरे शिक्षकों तक पहुंचा कर सभी शिक्षकों को बेहतर नवाचारों से परिचय एवं उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित करना ।

इस समूह मुख्य एडमिन और सूत्रधार श्री संजीव कुमार सूर्यवंशी, शि.पं. (गणित), शास. पूर्व मा. विद्यालय नन्दौरकला, वि.ख. – सक्ती, जिला – जांजगीर–चाम्पा (छ.ग.) है। इनके द्वारा इस ग्रुप को बनाने के लिए 2015 से तैयारी की जा रही थी । दो वर्ष के पूरी तैयारी के बाद 29 मार्च 2017 में पहला **Whatsapp Group** बनाया गया। आज **इनके और इनके एडमिन टीम** के द्वारा सुनियोजित तरीके से तैयार इस समूह में अभी राष्ट्रीय स्तर का एक ग्रुप, राज्य स्तर पर चार ग्रुप, जिला स्तर पर कुल 33 ग्रुप अर्थात कुल 38 ग्रुप का संचालन किया जा रहा है जिसमें अभी तक छः हजार से अधिक शिक्षक इनके प्रयासों से जुड़ चुके हैं और लगातार जुड़ने का क्रम जारी है । इन समूहों में शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन कुछ न कुछ कक्षा अध्यापन के लिए उपयोगी नवाचार तैयार कर साझा किया जाता है ।

क्या आप सभी शिक्षक इस नवाचारी ग्रुप से जुड़ना नहीं चाहेंगे ? जुड़ने हेतु आप अपने संभाग स्तर पर इन नंबर्स पर अपना अनुरोध भेज सकते हैं –

नाम	संभाग	Mobile No.
श्री संजीव कुमार सूर्यवंशी	बिलासपुर	9669368870
श्री चंद्रप्रकाश नायक	रायपुर	9754253753
श्री स्नेहलता वर्मा	सरगुजा	7222962423
श्री रिपुसुदन शाकार	दुर्ग	8435650283
श्री महेन्द्र दीवान	बस्तर	9753971907

इस नवाचारी समूह से आप फेसबुक के माध्यम से भी इस लिंक में जाकर जुड़ सकते हैं – https://m.facebook.com/groups/264317707386394?refid=27

इनके अलावा इनके काम को आगे बढाने राज्य के सभी जिलों में इनके समूह से दो दो एडमिन भी बनाए गए हैं जो नवाचारी कार्यों को आगे ले जाने में सहयोग दे रहे हैं ।
हमें पूरी उम्मीद है कि आप सभी शिक्षक इनके नवाचारी समूह में अवश्य जुड़कर अपने प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी को और अधिक मजबूत करना चाहेंगे ।

एजेंडा आठ - उपस्थिति में सुधार

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के प्रारंभ होने के बाद सन 2015 से लेकर सन 2017 के मध्य बच्चों के उपस्थिति में आया अंतर नीचे टेबल में दिखाया गया है –

Pupils' Attendance (Number of schools)

No.	Pupils' Attendance	Year 2017	Year 2015	Differ-ence	Differ-ence%
a)	Above 90%	15,944	7,793	8,152	+ 19%
b)	80% to 90%	16,656	17,322	-664	-2%
c)	Less than 80% (Sub-total of the following 3 points)	11,144	18,414	-7,273	-17%
c)i)	*70% to 80%*	*7,426*	*11,982*	*-4,558*	
c)ii)	*60% to 70%*	*2,462*	*4,924*	*-2,461*	
c)iii)	*Less than 60%*	*1,256*	*1,508*	*-254*	
	Total	**43,744**	**43,529**	**215**	

**The difference between the number of schools covered in Social Audit in both the years is 215, which is only 0.5%.*

Pupils' Attendance (Proportion of schools)

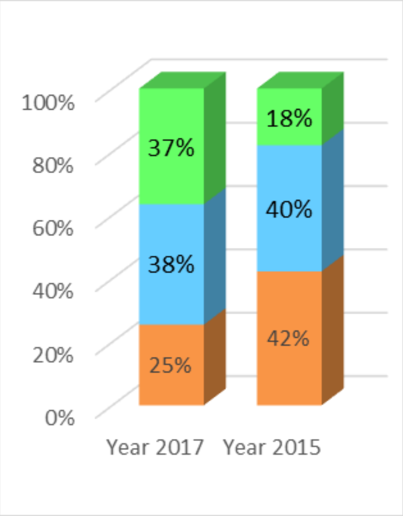

बच्चों की उपस्थिति के बारे में आदर्श स्थिति यह होनी चाहिए कि किसी शाला में कम से कम नब्बे प्रतिशत से अधिक बच्चे नियमित उपस्थित हों। 2015 में राज्य में ऐसी शालाओं की संख्या 7793 थी जबकि 2017 में यह संख्या बढकर 15944 हो गयी ।

प्रथम अकादमिक मानिटरिंग के दिन बच्चों की उपस्थिति का प्रतिशत इस प्रकार रहा –

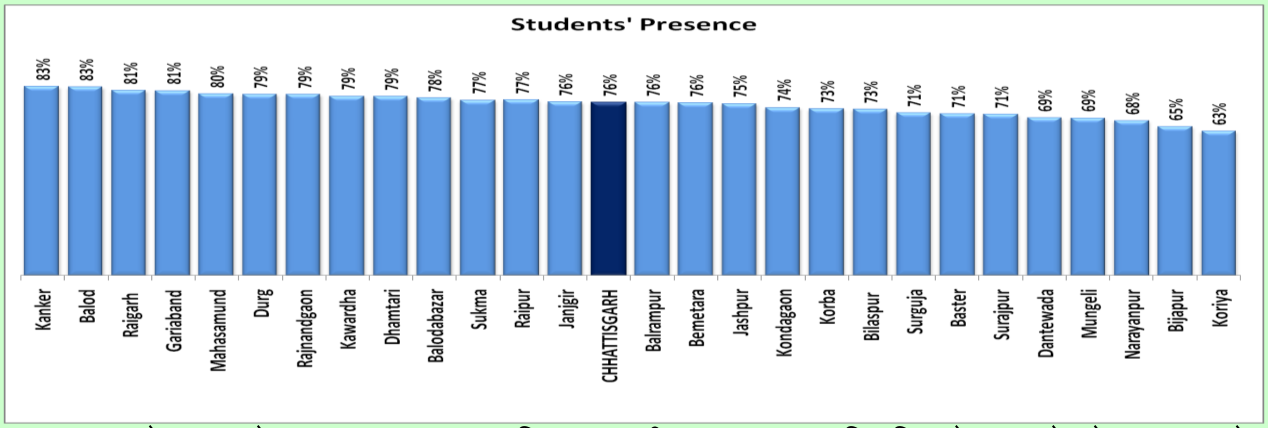

कांकेर, बालोद, रायगढ़ एवं गरियाबंद की शालाएं उपस्थिति के मामले में ऊपर रहे जबकि सबसे कम उपस्थिति का प्रतिशत कोरिया, बीजापुर, नारायणपुर एवं मुंगेली में रहा। सभी जिलों में बच्चों की नियमित उपस्थिति को सुधारने के लिए तत्काल ठोस कार्यवाहियां होनी चाहिए। राज्य में औसत उपस्थिति मात्र 76% रही जो कि बहुत कम है। हमें अपनी शालाओं को ऐसा बनाना होगा जिसमें प्रतिदिन सौ प्रतिशत बच्चे आएं और अच्छे से पढाई–लिखाई कर सके। उपस्थिति बढाने हेतु सुझावों/उपायों पर चर्चा करें और लागू करें।

एजेंडा नौ - आइए गुजराती सीखें

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अतंर्गत हमें इस वर्ष छ.ग. में गुजरात राज्य के बारे में जानने का अवसर दिया गया है। चर्चा पत्र के माध्यम से हमने गुजरात के बारे में जानने के लिए श्रृखंला पिछले माह शुरू की है। पिछले माह आपने गिनती सीख ली होगी । इस बार हम हिन्दी के सहयोग से गुजराती में स्वरों को पढ़ना लिखना सीखेंगे ।

गुजराती स्वरमाला –

Hindi	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अँ	अः
Gujarati	અ	આ	ઇ	ઈ	ઉ	ઊ	ઋ	એ	ઐ	ઓ	ઔ	અઁ	અઃ

गुजराती में बारह खडी का एक उदाहरण देखें –

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

ક કા કિ કી કુ કૂ કે કૈ કો કૌ કં કઃ

एजेंडा दस – इस माह के लिए लक्ष्य एवं पुराने कार्यों की स्थिति

इस माह के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किया गया है –

1. सभी शालाओं में इस वर्ष के निरीक्षण प्रपत्र के आधार पर निरीक्षण कार्य संपन्न करना (फोकस शालाओं में बाह्य अधिकारियों द्वारा एवं गैर–फोकस शालाओं में संकुल समन्वयकों व्दारा)
2. सभी शालाओं में डाटाबेस अद्यतन करना एवं टैब के माध्यम से पंजीयन की तैयारी करना
3. सभी शालाओं में लर्निंग आउटकम के कक्षावार पोस्टर लगाकर उसके अनुसार अध्यापन कार्य करवाना
4. लर्निंग आउटकम पर पालकों का उन्मुखीकरण कर उन्हें जागरूक करना
5. सभी उच्च प्राथमिक शालाओं में बाल केबिनेट का गठन कर उनका प्रशिक्षण का आयोजन

गत माह के लिए निम्नलिखित कार्य सौंपे गए थे

1. सभी शालाओं में मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत बेसलाइन अध्ययन हेतु जीमजमंबीमतंचच में पंजीयन कर नोडल अधिकारियों व्दारा जानकारी भरा जाना।
2. उच्च प्राथमिक से लेकर हायर सेकंडरी तक सभी शालाओं में ऑडियो कार्यक्रम ***"Full on Nikki"*** सभी बच्चों को नियमित सुनाते हुए उनका फीडबैक देना।
3. सभी बच्चों को गत माह के चर्चा पत्र में दिए गए गुजराती भाषा एवं गुजरात से परिचय कराना
4. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत विभिन्न सुधार कार्य करवाया जाना
5. गणित सप्ताह का आयोजन कर गणित विषय में रूचि विकसित किए जाने हेतु विभिन्न कार्यवाहियाँ।

फिडबैक -

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित संकुल स्तरीय चर्चा पत्र बहुत ही उपयोगी होते हैं, इन चर्चा पत्रो में प्रकाशित सभी एजेंडे विद्यालय, छात्र एवं शिक्षकों के लिए लाभकारी होते हैं। चर्चा पत्र के माध्यम से शाला में शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का संचालन करने में बहुत ही मदद मिलती है। इनमें प्रत्येक माह का एजेंडा निश्चित किया जाता है जिससे हमारी शालाओ में बेहतर परिणाम दिखाई दे रहा है। हमें प्रति माह चर्चा पत्र का बेसब्री से इंतजार रहता है।

प्रेषक –

कविता कोरी (सहा.शिक्षक पं..)
शास.प्रा.शाला गडरियापारा, संकुल लाखासर
वि.ख. तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)